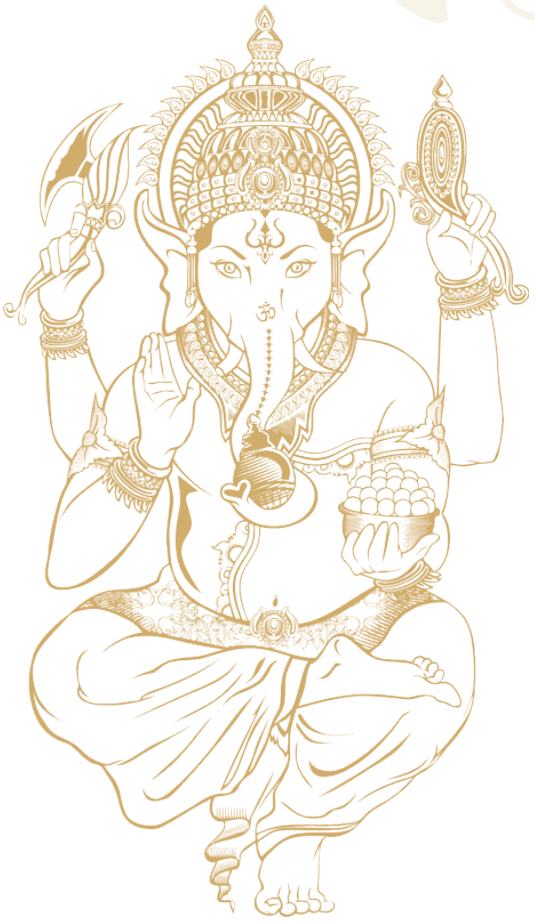

?????? ?????

08 Jul 1985

03:32 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121854502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/07/1985**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:32:00 घंटे**
इष्ट	25:23:41 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:14:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:59 घंटे
साम्पातिक काल	10:19:25 घंटे
सूर्योदय	05:22:31 घंटे
सूर्यास्त	19:22:52 घंटे
दिनमान	14:00:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:31:44 मिथुन
लग्न के अंश	01:49:57 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:49:57	303:59:08	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	22:31:44	00:57:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			मीन	04:40:25	12:09:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	25:27:54	00:39:11	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			कर्क	18:19:14	01:12:55	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	21:35:48	00:05:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			वृष	08:35:15	01:04:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		तुला	28:03:33	00:01:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		मेष	22:34:04	00:02:35	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:34:04	00:02:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	21:07:28	00:01:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप	व		धनु	08:11:57	00:01:33	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	08:16:38	00:00:08	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	09:15:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:06

लग्न-चलित

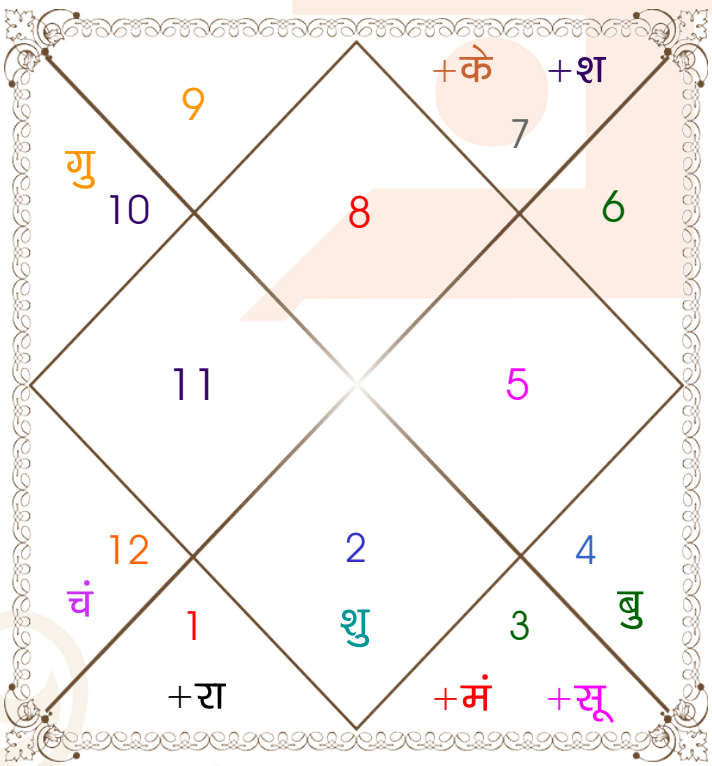

चन्द्र कुंडली

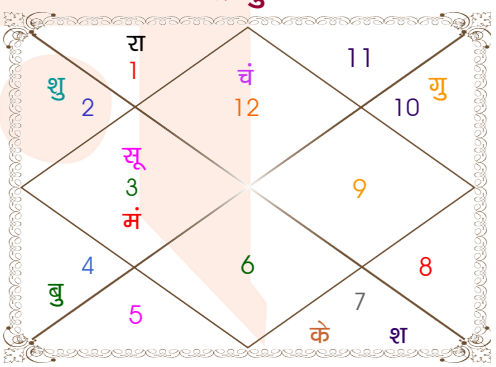

नवमांश कुंडली

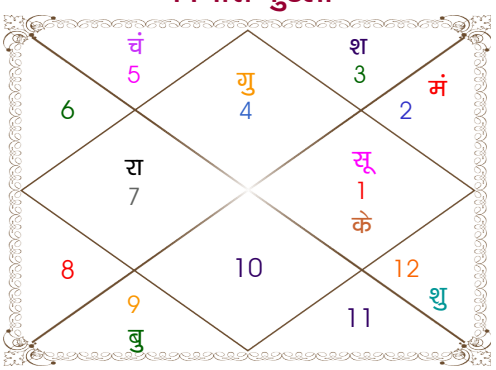

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 1 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/07/1985		10/08/2002		11/08/2019		10/08/2026		10/08/2046	
10/08/2002		11/08/2019		10/08/2026		10/08/2046		10/08/2052	
शनि	13/08/1986	बुध	06/01/2005	केतु	07/01/2020	शुक्र	10/12/2029	सूर्य	28/11/2046
बुध	22/04/1989	केतु	03/01/2006	शुक्र	08/03/2021	सूर्य	10/12/2030	चंद्र	29/05/2047
केतु	01/06/1990	शुक्र	03/11/2008	सूर्य	14/07/2021	चंद्र	10/08/2032	मंगल	04/10/2047
शुक्र	01/08/1993	सूर्य	09/09/2009	चंद्र	12/02/2022	मंगल	10/10/2033	राहु	28/08/2048
सूर्य	14/07/1994	चंद्र	09/02/2011	मंगल	11/07/2022	राहु	10/10/2036	गुरु	16/06/2049
चंद्र	12/02/1996	मंगल	06/02/2012	राहु	29/07/2023	गुरु	11/06/2039	शनि	29/05/2050
मंगल	23/03/1997	राहु	25/08/2014	गुरु	04/07/2024	शनि	10/08/2042	बुध	05/04/2051
राहु	28/01/2000	गुरु	30/11/2016	शनि	13/08/2025	बुध	10/06/2045	केतु	11/08/2051
गुरु	10/08/2002	शनि	11/08/2019	बुध	10/08/2026	केतु	10/08/2046	शुक्र	10/08/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/08/2052		10/08/2062		10/08/2069		11/08/2087		12/08/2103	
10/08/2062		10/08/2069		11/08/2087		12/08/2103		00/00/0000	
चंद्र	10/06/2053	मंगल	06/01/2063	राहु	22/04/2072	गुरु	28/09/2089	शनि	09/07/2105
मंगल	09/01/2054	राहु	25/01/2064	गुरु	16/09/2074	शनि	10/04/2092		00/00/0000
राहु	11/07/2055	गुरु	31/12/2064	शनि	23/07/2077	बुध	17/07/2094		00/00/0000
गुरु	09/11/2056	शनि	09/02/2066	बुध	09/02/2080	केतु	23/06/2095		00/00/0000
शनि	10/06/2058	बुध	06/02/2067	केतु	27/02/2081	शुक्र	21/02/2098		00/00/0000
बुध	10/11/2059	केतु	05/07/2067	शुक्र	27/02/2084	सूर्य	10/12/2098		00/00/0000
केतु	10/06/2060	शुक्र	03/09/2068	सूर्य	21/01/2085	चंद्र	11/04/2100		00/00/0000
शुक्र	09/02/2062	सूर्य	09/01/2069	चंद्र	23/07/2086	मंगल	18/03/2101		00/00/0000
सूर्य	10/08/2062	चंद्र	10/08/2069	मंगल	11/08/2087	राहु	12/08/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।